# पद-सोपान या स्केलर प्रक्रिया
## Hierarchy or Scalar process

संगठन में उपर से नीचे तक उच्चाधिकारी या अधीनस्थ कर्मचारियों में विभिन्न स्तरों पर सम्बंध स्थापित करना ही पद-सोपान है। एल० डी० व्हाइट

किसी भी संगठन का आधार स्तम्भ पद-सोपान होता है। यह संगठन में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों के मध्य कार्यों, सत्ता और उत्तरदायित्व का विभाजन है। कार्यों तथा उत्तरदायित्वों का विभाजन उर्ध्वाकार (vertical) भी होता है और क्षैतिजाकार (Horizontal) भी। उर्ध्वाकार विभाजन के परिणाम स्वरूप शीर्ष-प्रबंधन, मध्य-प्रबंध, निरीक्षकों एवं विशिष्ट कार्यों के स्तर का निर्माण किया जाता है। पद-सोपान वाले संगठन में सत्ता ऊपर शीर्ष से नीचे की ओर क्रमिक रूप में उतरती है। ये स्तर श्रेष्ठता या निकृष्टता के द्योतक नहीं होते किन्तु विभिन्न स्तरों के दायित्वों की प्रकृति में एवं विभिन्न पदों के वेतन-क्रम तथा योग्यताओं में अन्तर के कारण संगठन में उच्चाधिकारी एवं अधीनस्थों के सम्बंध विकसित हो जाते हैं। इसमें एक पिरामिड (pyramid) का ढ़ाँचा बन जाता है। जिसे मूनी ने 'स्केलर प्राक्रिया' (scalar process) कहा। मूनी एवं रेले के शब्दों में 'स्केल का अर्थ है "कुद स्टेप (step)। संगठन में इसका अर्थ होता है "कर्तव्यों की ग्रेडिंग'।

पद-सोपान का मूलतः अर्थ होता है: कदम-दर कदम (step by step)। इसे "श्रेणीबद्ध प्रशासन" भी कहते हैं। पद-सोपान पर आधारित संगठन में प्रत्येक कर्मचारी का यह कर्तव्य हो जाता है कि वह अपने उच्च अधिकारी द्वारा दिये गये आदेशों का पालन करें और उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह अपने अधीनस्थ को आदेश जारी कर सके। इस प्रकार पद-सोपान आदेशों का एक प्रवाह बन जाता है। पद-सोपान सत्ता के बीच (विभिन्न स्तरों पर) संचार का एक साधन है। एक संगठन में जबकि अनेक व्यक्ति एक साथ कार्य करते हों, यह वांछनीय है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने-अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों का ज्ञान हो। प्रत्येक व्यक्ति को इस बात का भी ज्ञान होना चाहिए कि अन्य व्यक्तियों के साथ उसके क्या सम्बंध है उसे यह स्पष्ट होना चाहिए कि उसे किसकी आज्ञा का पालन करना है।

## पद-सोपान प्रणाली की व्याख्या
## Explanation of Hierarchy systeam :

पद-सोपान में चूँकि सत्ता के अनेक स्तर होते है अतः इसमें सत्ता का हस्तांतरण करना होता है। उच्च अथवा प्रवर (superior) अधिकारी द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारी को कार्य का एक क्षेत्र सौंप दिया जाता है। अपने उस क्षेत्र में उसे निर्णय लेने का अधिकार होता है। प्रत्यायोजन या हस्तांतरण (Delegation) द्वारा अधिकारी जो कुछ भी करता है, उसके लिए वह अपने उच्च अधिकारी के प्रति उत्तरदायी होता है।

पद सोपान पर आधारित संगठन की तुलना एक पिरामिड (Pyramid) से की जा सकती है, जिसके शिखर पर एक प्रधान अधिकारी और नीचे की विभिन्न सोपानों पर अन्य अधिकारी होते हैं। समान्यता प्रत्येक सोपान की तुलना में (ऊपर की तुलना में) अधिक कर्मचारी होते हैं। सत्ता के प्रवाह का क्रम ऊपर से नीचे की ओर होता है जबकि आज्ञापालन का क्रम नीचे से ऊपर की ओर होता हैं।

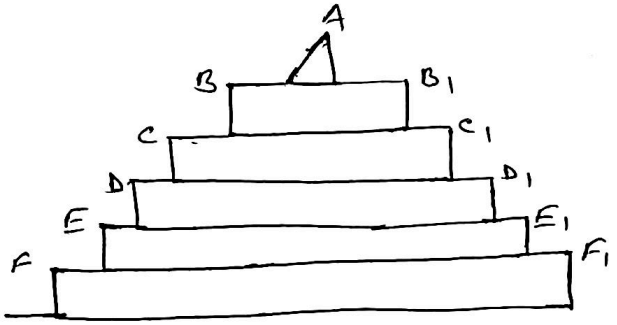




शीर्ष पर मुख्य कार्यकारी (Chief Excutive) A विद्यमान हैं। B, $B_1$ A के अधीन हैं C और $C_1$, B और $B_1$ के अधीन है। यदि A द्वारा C को कोई आदेश दिया जाना है तो वह B के माध्यम से ही दी जानी चाहिए। यदि C को अपनी कोई बात A से कहनी है तो वह B के माध्यम से कही जानी चाहिए। यही क्रम आगे भी चलता रहेगा। इस प्रकार एक श्रृंखला या जंजीर के सदृश इस प्रणाली में सत्ता का सूत्र ऊपर-नीचे दोनों ओर को जाता है। प्रत्येक आज्ञा या पत्र-व्यवहार "उचित माध्यम" (Through proper channel) से होनी चाहिए। शीर्ष से ज्यों-ज्यों हम आधार की तरफ बढ़ते हैं त्यों-त्यों प्रशासकीय कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हो जाती है। अधिकतम संख्या आधार पर मिलती हैं। प्रत्येक अधिकारी या कर्मचारी को आदेश अपने ठीक ऊपर वाले अधिकारी या कर्मचारी से प्राप्त होते हैं।

आदेश किस्म का पद-सोपान सैनिक प्रशासन में पाया जाता है। सेना के तीनों अंगो में पद-सोपान का वितरण —

| थल सेना (Army) | जल सेना (Navy) | वायु सेना (Air Force) |
| --- | --- | --- |
| जनरल | एडमिरल | एअर चीफ मार्शल |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| लेफ्टिनेंट जनरल | वाइस एडमिरल | एअर मार्शल |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| मेजर जनरल | रीयर एडमिरल | एअर वाइस मार्शल |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| ब्रिगेडियर | कोमोडोर | एअर कोमोडोर |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| कर्नल | कैप्टन | ग्रुप कैप्टन |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| लेफ्टिनेंट कर्नल | कमाण्डर | विंग कमाण्डर |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| मेजर | लेफ्टिनेंट कमाण्डर | स्क्वाड्रन लीडर |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| कैप्टन | लेफ्टिनेंट | फ्लाइट लेफ्टिनेंट |
| ↓ | ↓ | ↓ |
| लेफ्टिनेंट | सब-लेफ्टिनेंट | फ्लाइंग आफिसर |

## पद-सोपान प्रणाली के मुख्य तत्व : (Main elements of Hierarchy systeam)

पद-सोपानीय या स्केलर प्रणाली की आवश्यकता दो कारणों से अनुभव की जाती है:

1- कार्य को छोटे-छोटे भागों में बाँटना।

2- विशेषीकृत कार्यों तथा व्यवहारों को एक संयुक्त प्रयास में संयोजित करके प्रतिमान स्थापित करना।

→ पद-सोपान में एक व्यक्ति का केवल एक अधिकारी होगा जिससे वह आदेश प्राप्त करेगा।

→ कोई भी व्यक्ति अपने से निम्न स्थिति के अधिकारी या कर्मचारी से आदेश नहीं लेगा।